राजस्थान सरकार
कृषि (ग्रुप–2) विभाग

क्रमाकः–प.4(4)कृषि / ग्रुप–2 / 2018 जयपुर, दिनांकः– 21 FEB 2018

खेती की नवीन पद्वतियों के बारे में जानकारी उपलब्ध कराने, खेती व्यवसाय के सतत् विकास को सुनिश्चित करने, आधुनिक खेती और विपणन के लिए कृषको को प्रोत्साहित करने हेतु मुख्यमंत्री काश्तकार विदेश प्रशिक्षण यात्रा योजना निम्नानुसार जारी की जाती हैः–

मुख्यमंत्री काश्तकार विदेश प्रशिक्षण यात्रा योजना

खेती को लाभकारी बनाने के लिए अब आवश्यक हो गया है कि हम अपने किसानों के सम्मुख केवल कृषि उत्पादन एवं उत्पादकता में वृद्धि का ही लक्ष्य न रखें, वरन् भविष्य में उत्पादित की जाने वाली फसलों की गुणवत्ता में वृद्धि करते हुए अच्छी कीमत प्राप्त करें। इसके लिये खेती से जुडे विभिन्न मुद्दों पर दुनिया में हो रहे परिवर्तनों और तकनीकी अनुसंधानों को किसानो तक आवश्यकतानुसार उपयुक्त समय पर पहुंचाना व तत्संबंधी सुविधा उपलब्ध कराया जाना भी आवश्यक है। राजस्थान सरकार के कृषि एवं इससे संबंधित विभाग इसके लिये सतत् प्रयत्नशील है। विभिन्न देशों के द्वारा विकसित कृषि तकनीकों और उपकरणों व उनसे जुडे मुद्दों की जानकारी संबंधित देशों के किसानों से प्रत्यक्ष चर्चा करके व इसी प्रकार क्षेत्रीय भेंटों, संबंधित का भ्रमण कर किसानों के ज्ञान और क्षमताओं में वृद्धि करने के उद्देश्य से राज्य के किसानों के विदेश अध्ययन भ्रमण यात्रा प्रस्तावित है।

विश्व में कम से कम पानी का उपयोग करके अधिक से अधिक उत्पादन लेना, फल, फूल, दलहन, तिलहन एंव खाद्यान्न फसलों को विभिन्न प्रजातियों से उन्नत तकनीक अपनाकर अधिक उत्पादन लेने हेतु कई प्रकार के अभिनव प्रयोग किये गये है। पशुपालन के क्षेत्र में भी अधिक से अधिक लाभ प्राप्त करने हेतु नई–नई तकनीक विकसित की गई है। प्रदेश के कृषकों को विश्व में कृषि, उद्यानिकी एवं पशुपालन के क्षेत्र में जहां भी क्रांतिकारी परिवर्तन हुए है, का अवलोकन कराने हेतु कृषक विदेश भ्रमण हेतु योजना प्रारंभ की जा रही है।

1. काश्तकार विदेश प्रशिक्षण यात्रा के लाभ

- प्रदर्शन देखकर विश्वास करो के सिद्धांत पर आधारित इस किसान विदेश अध्ययन यात्रा का समूह तकनीकी रूप से समृद्ध होकर अपने क्षेत्र में अर्जित ज्ञान और तकनीक का विस्तार करेगा और अन्य किसानों को प्रशिक्षित करने के लिए एक मंच प्रदान करेगा।
- आन फार्म ट्रेनिंग द्वारा उत्पादन की पद्धतियों का ज्ञान प्राप्त करना। इसलिए समान आवश्यकताओं वाले समूहों को चिन्हित कर आन फार्म प्रदर्शन एवं प्रशिक्षण दिया जाएगा जिससे समूह का तकनीकी उन्नयन होगा जो समूह विशेष के लिए प्रभावी होगा और अन्य किसानों को भी तकनीक हस्तांतरित होगी। चूंकि राजस्थान विविध कृषि जलवायु क्षेत्रों एवं विभिन्न फसलों वाला राज्य है, यहां पर तरह–तरह के किसान समूह हैं और उनकी आवश्यकता भी विभिन्न प्रकार की है।
- किसान उन्नत तकनीक का प्रत्यक्ष अनुभव लेकर स्वयं के खेत पर लागू कर सकते है।
- किसानों को उत्पादन प्रबंधन, विपणन के विभिन्न पहलुओं की प्रत्यक्ष जानकारी जिसे वे स्थानीय स्तर पर मांग अनुरूप रूपान्तरित कर सकें।
- किसान द्वारा कृषि को व्यवसायिक गतिविधि के तौर पर करने के लिये एवं लाभकारी बनाने के लिए तदनुरूप फसल उत्पादन एवं विपणन के विभिन्न गठजोडों को स्थापित करना।
- किसान विदेश यात्रा सामाजिक उन्नयन में भी परोक्ष एवं प्रत्यक्ष रूप से योगदान देगी।
- किसानों के सोच में परिवर्तन, कार्यशैली में बदलाव, उत्पादकता में सुधार होगा।

2. दल संरचना

- कृषि एवं कृषि से जुडे विभागों के अधिकारियों द्वारा विदेश में स्थित अनुसंधान संस्थान, कृषि विश्वविधालय, प्रयोगशालाओं का चिन्हांकन विदेश यात्रा के लिए किया जाएगा, जो यात्रा समय के निर्धारण के समय हमारे किसानों को उपयुक्त जानकारी दे सकेगा।
- विदेश जाने वाले दल के साथ कृषि विपणन विभाग द्वारा मनोनित नोडल अधिकारी दल के साथ रहेंगे, जो किसानों एवं विदेशी वैज्ञानिकों के मध्य संवाद सेतु का काम करेंगे। विदेश अध्ययन यात्रा पर जाने वाले किसान दल में 25 कृषक सम्मिलित किये जायेंगे। कृषि, कृषि विपणन, उद्यानिकी तथा पशुपालन / मत्स्यपालन से जुड़े प्रगतिशील कृषक चयनित किये जायेंगे। इस प्रकार प्रस्तावित विदेश भ्रमण दल की संरचना निम्नानुसार रखी जा सकेगीः–